अमन समिति

प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव के लिए समर्पित

विज्ञान तुम्हारे कंकाल से यह पता कर सकता है कि तुम बूढ़े थे या जवान, नर थे या मादा, पर यह कभी पता नहीं कर सकता कि तुम शूद्र थे या ब्राह्मण, वैश्य थे या क्षत्रिय, हिन्दू थे या मुस्लिम,क्योंकि तुम यह सब कभी थे ही नहीं, सिर्फ मानते थे, और मानने का कोई मूल्य नहीं होता, सिर्फ होने का होता है।

– रजनीश ओशो

निःशुल्क सदस्य बनें : www.amansamiti.com **Mob : 9942298071**